(ख) यदि हां, तो 1986-87 और 1987-88 के बजटों में रखी गयी विशेष अनुदान राशि में से ग्रामीण श्रमिकों के लिये कितनी राशि का आवंटन किया गया है, और

(ग) इन दोनों प्रदेशों में इससे क्रमशः कितने-कितने लोग लाभान्वित हुए हैं अथवा कितने-कितने लोगों के लाभान्वित होने की संभावना है?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा): (क) से (ग) उत्तर प्रदेश सरकार ने 1986-87 तथा 1987-88 के दौरान सूखे से प्रभावित क्षेत्रों में राहत संबंधी निर्माण कार्य आरम्भ करने के लिए सहायता मांगी है। केन्द्रीय दलों की रिपोर्ट तथा राहत कार्यों सबंधी उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर उत्तर प्रदेश ने सूखे से प्रभावित क्षेत्रों में रोजगार के सृजन के लिए, व्यय की निम्नलिखित अधिकतम सीमा की व्यवस्था की गई है:—

	(करोड़ रुपये)
1986-87	3.45
1987-88	100.62

बाढ़ राहत के अंतर्गत राज्य सरकारों को रोजगार सृजन के लिए केन्द्रीय सहायता विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में रोजगार के सृजन के लिए स्थिति की गंभीरता और रोजगार की स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर दी जाती है।

बिहार सरकार ने इन वर्षों में पड़े सूखे से राहत के लिए केन्द्रीय सहायता की मांग करते हुए कोई अनुरोध/ज्ञापन प्रस्तुत नहीं किया है।

चावल उत्पादन के लिए नई तथा सस्ती तकनीक

817. **श्रीमती रेणुका चौधरी**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार का ध्यान कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा हाल में चावल के उत्पादन के लिये एक नई तथा सस्ती तकनीक विकसित किये जाने के दावे की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में तथ्य क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने इस दावे की वास्तविकता की जांच परख की है, यदि हां, तो इस तरह की गई जांच के निष्कर्ष क्या है?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) (क) जी हां, श्रीमन्।

(ख) और (ग) बताई गई तकनीक में एक विदेशी फलीदार हरी खाद के पौधे **सैस्बेनिया रोस्ट्राटा** को खेत में उगाना और चावल उगाने से पहले इसको जोत देना शामिल है। जड़ों में अधिक प्रभावी ग्रंथियां बढ़ाने हेतु इस पौधे के बीजों को **राइजोबियम** जीवाणु कल्चर से टीका लगाया जाता है। **सैस्बेनिया** की प्रजातियों के विपरीत, इस विशेष प्रजाति में तनों पर भी नत्रजन निर्धारण ग्रंथियों को उत्पन्न करने की क्षमता है। **सैस्बेनिया रोस्ट्राटा** एक विदेशी पौधा है जिसका इस देश में उत्पन्न करना शुरू किया जा रहा है। इस पौधे की देश के विभिन्न चावल उत्पादक क्षेत्रों में हरी खाद के रूप में अनुकूलता, इसकी नत्रजन निर्धारण हेतु क्षमता और चावल की फसल के लिए नत्रजन की अनुपूरकता की जांच की जा रही है।

Supply of Rapeseed oil to West Bengal

818. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) what has been the quantity of rapeseed oil supplied to West Bengal in August, September and October during the current year by the Central Government;

(b) whether it is a fact that there has been decline in the supply; and

(c) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI H. K. L. BHAGAT): (a) The allocation and lifting of imported rapeseed oil to/by West Bengal during August to October, 1987 is as follows:

Month	Allocation under PDS (bulk tins)	Lifting under PDS (bulk tins)
	(Quantity in Mts)	
August	15500	13690
September	18000	15345
October	20500	9917

(b) and (c) During the oil year 1986-87, 1,20,194 MT of imported edible oils were supplied to West Bengal as compared to 80,501 MT in oil year 1985-86. However, due to some constraints there was a shortfall in supply of these oils to the State during the months of August—October, 1987. These were, railway breaches because of floods in Eastern India, siltage at Calcutta Port as a result of which vessels were not able to discharge the required quantity of edible oils in Calcutta, lack of sufficient refining capacity etc.

Formulation of Oilseeds Production Project

819. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government had ofrmulated an oilseed production project for the Kharif season, 1987; and

(b) if so, whether the project has been implemented with details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI YOGENDRA MAKWANA): (a) and (b) Yes, Sir. During Kharif, 1987, Oilseeds Production Thrust Project was formulated and sanctioned for three important kharif oilseeds i.e., groundnut, soyabean and sunflower for 14 important oilseeds growing States for implementation. The main thrust of the project is on plant protection umbrella, seed production/procurement, minikit distribution, application of calcium sulphate to groundnut etc. However, the State Government of West Bengal, Haryana, Andhra Pradesh and Madhya Pradesh have reported that the project could not be implemented in full, during Kharif 1987 due to aberrant weather conditions.

Import of edible oil

820. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether Government propose to import edible oil; and

(b) if so, the details and reasons thereof?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI H. K. L. BHAGAT): (a) Yes, Sir.

(b) There has been a gap between the demand for and availability of indigenous edible oils. The Government of India is importing edible oils to bridge the gap. The quantum of edible oils to be imported is decided by the Government from time to time keeping in view various factors such as gap between demand and supply, international prices, availability of foreign exchange and other related factors.

Revision of pay scales of teachers of Agricultural Universities

821. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state what is the position regarding the revision of pay scales for the teachers of agricultural universities?